

विधीसा हो जाने के पश्चात्, सम्पूक्त मंत्रालय के ऐसे आफिसर द्वारा किया जा सकता है जो कि ऐसा करने के लिए केन्द्रीय सरकार की ओर से प्राधिकृत है।

#### आदर्श विधेयकों के हिन्दी रूपान्तर

2547. श्री विश्वाम प्रसाद : क्या विधि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक राज्य के लिये कितने आदर्श विधेयक तैयार किये गये;

(ख) क्या इन विधेयकों के हिन्दी पाठ भी सप्ताई किये गये थे;

(ग) क्या इस कार्य के लिए राज्यों में कोई शुल्क लिया जाता है; और

(घ) यदि हां, तो किस दर पर और उक्त अवधि में प्राप्त शुल्क की कुल राशि कितनी है?

विधि मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री जे० रा० पट्टाभिरामन : (क) किसी एक ही राज्य के लिए कोई आदर्श विधेयक तैयार नहीं किए गए थे; वे सभी राज्यों के लिए तैयार किए गए थे। ऐसे विधेयकों की विशिष्टियों का एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है। [पुस्तकालय में रखा गया देखिये नं० एल० टी० 7439/66] आदर्श विधेयकों के अतिरिक्त अलग अलग राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए अन्य अनेक विधेयक तैयार किए गए थे। उनका एक विवरण सभापटल पर रखा जाता है। [पुस्तकालय में रखा गया देखिये नं० एल० टी० 7439/66]।

(ख) जी नहीं।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

#### Tonnage of Indian Shipping

2548. Shri Maheswar Naik: Will the Minister of Transport, Aviation, Shipping and Tourism be pleased to state:

(a) the total tonnage of Indian Shipping as at present, and the size it is likely to achieve at the end of the Fourth Plan;

(b) the contribution of India in the present tonnage and the extent India will depend on itself in this matter by the end of the Fourth Plan; and

(c) the foreign exchange being spent on shipping and the extent to which it will be reduced at the end of the Fourth Plan?

The Minister of Transport, Aviation, Shipping and Tourism (Shri Sanjiva Reddy): (a) The total tonnage of Indian shipping at present is about 17.69 lakhs GRT. At the end of the Fourth Plan it is expected to reach a figure of 30 lakhs GRT in operation with 5 lakhs GRT under construction.

(b) Out of the total tonnage of 17.69 lakhs GRT at present, ships of 1,85,303 GRT were constructed in India. It is expected that by the end of the Fourth Plan period about 2 lakhs GRT will be constructed in India and the remaining 15 lakhs will be acquired from abroad including replacement tonnage of about 2 lakhs GRT.

(c) It is presumed that information about foreign exchange expenditure asked for relates to freight payments to foreign shipping companies. The foreign exchange expenditure incurred on such freight payments during the year 1965-66 is estimated at about Rs. 160 crores against our total overseas trade of about Rs. 2,203 crores in value during 1965-66. It is expected that at the end of the Fourth Plan the foreign exchange expenditure on this account will be about Rs. 260 crores against a total overseas trade of Rs. 4,500 crores roughly during 1970-71.